2017

M. A. 1st Semester

HINDI

PAPER–102 Subject Code—05

Full Marks : 40

Time : 2 Hours

The figures in the right hand margin indicate full marks. Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 12×2

क) महाकवि विद्यापति भक्त हैं या शृंगारिक-युक्तियुक्त विवेचन कीजिए ।

ख) कबीर के काव्य में निहित सामाजिक व्यंग्य एवं जीवन-मूल्यों का विवेचन कीजिए ।

ग) घनानंद की विरह-भावना पर प्रकाश डालिए ।

घ) 'भ्रमरगीत' के आधार पर सूर के वियोग-वर्णन की विशेषताओं का उद्‌घाटन कीजिए ।

2. किन्हीं दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×2

क) माधब, तोहे जनु जाह विदेस ।
हमरो रंग रमत लए जेवह लेवह कौन सनेस ।
बनहिं गमन करु होएति दोसर मति बिसरि जाएब पति मोरा ।
हीरा मनि मानिक एको नहि माँगब फेरि माँगब पहु तोरा ।

ख) संतौ भाई आई ग्यांन की आंधी रे ।
भ्रम की टाटी सबै उड़ांणी, माया रहै न बाँधी ।
हिति चत की द्वै थूनीं गिरनीं, मोह बलींडा तूटा ।
त्रिस्नां छानि परी घर ऊपरि, कुबुधि का भंडा फूटा ।

ग) आयो घोष बड़ो ब्योपारी ।
लादि खेप गुन ज्ञान-जोग की, ब्रज में आय उतारी ।
फाटक दै कर हाटक माँगत, भौरे निपट सु धारी ।
धुर ही तैं खोटो खायो है, लये फिरत सिर भारी ।

घ) रावरे रूप की रीत अनूप, नयो नयो लागत ज्यौं ज्यौं निहारियै ।
त्यौं इन आँखिन बानि अनोखी, अघानि कहूँ नहिं आनि तिहारियै ।
एक ही जीव हुतौ सुतौ वार्‌यौ, सुजान, सकोच औ सोच सहारियै ।
रोकि रहै न दहै, घनआनंद बावरी रीझ के हाथनि हरियै ।

—o—

i1